हिन्दी

(दूर्वा)(पाठ 1)(कुँवर नारायण– गुड़िया)
(कक्षा 8)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:
कविता से

प्रश्न कः
गुड़िया को कौन, कहाँ से और क्यों लाया है?
उत्तर कः
कवि गुड़िया को लेकर आया था । मेले में एक बुढिया उसे बेच रही थी । कवि को वह गुड़िया अच्छी लगी और उसने वह गुड़िया मोल भाव करके उससे खरीद ली ।

प्रश्न खः
कविता में जिस गुड़िया की चर्चा है वह कैसी है?
उत्तर खः
कविता में चर्चित गुड़िया बहुत प्यारी है वह अपनी ऑखें खोल सकती है , पिया–पिया बोल सकती है । उसकी काली–काली ऑखें हैं वह सितारों से जड़ी चुनरी पहने हैं वह बहुत सुन्दर लग रही है ।

प्रश्न गः
कवि ने अपनी गुड़िया के बारे में अनेक बातें बताई हैं। उनमें से कोई दो बातें लिखो।
उत्तर गः
कवि ने अपनी गुड़िया के बारें में यह बताया है कि यह ऑखें मूँद सकती है , पिया–पिया बोल सकती है इसने लाल रंग की चुनरी पहनी है यह बहुत सुन्दर है इसे मैं अपनी अलमारी में सजाकर रखूँगा ।

प्रश्न 2:
तुम्हारी बात

प्रश्न कः
खेल–खिलौनों की दुनिया में तुमको परी बनाऊॅगा।, बचपन में तुम भी बहुत से खिलौनों से खेले होगे। अपने किसी खिलौने के बारे में बताओ।
उत्तर कः
बच्चे अपने बचपन में खेले किसी सबसे प्यारे खिलौने के बारे में विस्तार से उस पर एक लेख तैयार करके कक्षा में प्रस्तुत करेंगे ।

प्रश्न खः

मोल–भाव करके लाया हूँ । ठोक–बजाकर देख लिया। ,अगर तुम्हें अपने लिए कोई खिलौना खरीदना हो तो तुम कौन–कौन सी बातें ध्यान में रखोगे?

उत्तर खः

अगर मुझे कोई खिलौना खरीदना पड़े तो मैं उसके बारे में अच्छी तरह पड़ताल करूँगा उसके गुण जानूंगा उसके बाद मोल–भाव करके उसे खरीदूँगा ।

प्रश्न गः

मेले से लाया हूँ इसको छोटी–सी प्यारी गुड़िया ,यदि तुम मेले में जाओगे तो क्या खरीदकर लाना चाहोगे और क्यों?

उत्तर गः

बच्चे अपनी रुचि के अनुरूप खिलौनों की चर्चा करेंगे ।

6. मैं और हम

मैं मेले से लाया हूँ इसको
हम मेले से लाए हैं इसको

ऊपर हमने देखा कि यदि 'मैं' के स्थान पर 'हम' रख दें तो हमें वाक्य में कुछ और शब्द भी बदलने पड़ जाते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए दिए गए वाक्यों को बदलकर लिखो।

प्रश्न कः

मैं आठवीं कक्षा में पढ़ती हूँ।

उत्तर कः

हम आठवीं कक्षा मे पढ़ते हैं।

प्रश्न खः

मैं जब मेले में जा रहा था तब बारिश होने लगी।

उत्तर खः

जब हम मेले जा रहे थे तभी बारिश होने लगी।

प्रश्न गः

मैं तुम्हें कुछ नहीं बताउँगी।

उत्तर गः

हम तुम्हे कुछ नहीं बताएंगे।